UGC NET/JRF • SET • TGT • PGT • UPSC • RPSC

भारतीय काव्यशास्त्र

हिन्दी साहित्य • MCQ प्रश्नोत्तरी

12 सेट + 100 प्रश्नों का मॉक टेस्ट

850+ प्रश्नोत्तरी

रस सिद्धांत
रस-सूत्र • साधारणीकरण • रस-संख्या

अलंकार • रीति
गुण • दोष • वृत्ति

ध्वनि सिद्धांत
वक्रोक्ति • औचित्य

शब्द-शक्ति
छंद • काव्य-रूप

प्रैक्टिस सेट (13)

उत्तर साथ में • व्याख्या सहित

केवल कृष्ण घोड़ेला

एम.ए., बी.एड., नेट (हिंदी) • कॉलेज व्याख्याता

store.hindisahity.com

नमूना पृष्ठ • SAMPLE

📚 इस PDF में क्या-क्या है? — विषय-सूची एवं पृष्ठ-सारणी

कुल 861 प्रश्न • 13 सेट • हर सेट के बाद उत्तर-सारणी, उत्तरमाला-व्याख्या और आपके नोट्स के पृष्ठ — देखिए कौन-सा टॉपिक किस पृष्ठ पर है।

सेट / टॉपिक (खंड)	प्रश्न	प्रश्न-पृष्ठ	उत्तर-व्याख्या पृष्ठ	नोट्स पृष्ठ
सेट–1 : काव्य-लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन और आचार्य-परंपरा	**103 प्रश्न**	3	11	15
क. काव्य-लक्षण (काव्य की परिभाषा)	1–33	3		
ख. काव्य-हेतु (काव्य की उत्पत्ति के कारण)	34–51	5		
ग. काव्य-प्रयोजन (काव्य रचना का उद्देश्य)	52–69	6		
घ. आचार्य, ग्रंथ और संप्रदाय	70–103	8		
सेट–2 : रस-सिद्धांत (I) : रस का स्वरूप, रस-सूत्र और निष्पत्ति के व्याख्याकार	**64 प्रश्न**	17	23	26
क. रस का स्वरूप और रस-सूत्र	1–23	17		
ख. रस-निष्पत्ति के व्याख्याकार	24–64	18		
सेट–3 : रस-सिद्धांत (II) : साधारणीकरण और रस-संख्या	**60 प्रश्न**	28	33	36
क. साधारणीकरण	1–28	28		
ख. रस-संख्या और रस-विस्तार	29–60	30		
सेट–4 : रस-सिद्धांत (III) : स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव, संचारी भाव और रस-संप्रदाय के आचार्य	**71 प्रश्न**	38	43	46
क. स्थायी भाव और रस-स्थायी संबंध	1–17	38		
ख. विभाव, अनुभाव और संचारी भाव	18–40	39		
ग. रस-संप्रदाय के आचार्यों का योगदान	41–71	40		
सेट–5 : अलंकार संप्रदाय : प्रमुख आचार्य, ग्रंथ और अलंकार-संबंधी मान्यताएँ	**54 प्रश्न**	48	52	54
क. अलंकार संप्रदाय के आचार्य और उनकी मान्यताएँ	1–44	48		
ख. काव्यशास्त्र के प्रमुख आचार्यों का कालक्रम और ग्रंथ	45–54	51		
सेट–6 : अलंकार : परिभाषा, भेद और पहचान (शब्दालंकार, अर्थालंकार, उभयालंकार)	**63 प्रश्न**	56	61	63
क. अलंकार का स्वरूप, वर्गीकरण और शब्दालंकार	1–22	56		
ख. अर्थालंकारों की पहचान	23–63	57		
सेट–7 : रीति सिद्धांत, गुण, दोष और वृत्ति	**74 प्रश्न**	65	71	74
क. रीति सिद्धांत	1–27	65		
ख. गुण	28–46	66		
ग. दोष और वृत्ति	47–74	68		
सेट–8 : ध्वनि सिद्धांत	**44 प्रश्न**	76	80	82
क. ध्वनि सिद्धांत : मूल तथ्य	1–44	76		
सेट–9 : वक्रोक्ति और औचित्य सिद्धांत	**42 प्रश्न**	84	88	90
क. वक्रोक्ति सिद्धांत	1–18	84		
ख. औचित्य सिद्धांत	19–30	85		
ग. संप्रदाय-संबंधी तुलनात्मक प्रश्न	31–42	86		
सेट–10 : शब्द-शक्ति : अभिधा, लक्षणा, व्यंजना	**47 प्रश्न**	92	96	98
क. शब्द और अर्थ	1–13	92		
ख. लक्षणा	14–30	92		
ग. व्यंजना	31–47	93		
सेट–11 : छंद और काव्य-रूप	**70 प्रश्न**	100	105	108
क. छंद	1–38	100		
ख. काव्य-रूप और दृश्य-काव्य	39–70	102		
सेट–12 : ग्रंथ-लेखक, हिंदी रीति-आचार्य और आलोचक	**69 प्रश्न**	110	114	116
क. संस्कृत काव्यशास्त्र : ग्रंथ और लेखक	1–32	110		
ख. हिंदी रीति-आचार्य और उनके ग्रंथ	33–58	111		
ग. आधुनिक आलोचक और भारतीय काव्यशास्त्र	59–69	112		
सेट–13 : मॉक टेस्ट — 100 प्रश्न	**100 प्रश्न**	118	125	129
क. समग्र अभ्यास : सभी सेटों से चयनित	1–100	118		

SAMPLE नमूना

नमूना पृष्ठ • SAMPLE

सेट–1 : काव्य-लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन और आचार्य-परंपरा

📝 प्रश्न 103	⏱️ समय 78 मिनट	✔️ सही उत्तर +1	आपका स्कोर : ____ / 103

क. काव्य-लक्षण (काव्य की परिभाषा)

1. निम्नलिखित काव्य-सूत्र / परिभाषा किस आचार्य की है? — 'शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्'

(क) क्षेमेन्द्र (ख) भामह
(ग) उद्भट (घ) आनंदवर्धन

2. निम्नलिखित काव्य-सूत्र / परिभाषा किस आचार्य की है? — 'शरीरं तावदिष्टार्थव्यवच्छिन्ना पदावली'

(क) दंडी (ख) भरतमुनि
(ग) भामह (घ) अभिनवगुप्त

3. निम्नलिखित काव्य-सूत्र / परिभाषा किस आचार्य की है? — 'काव्यस्यात्मा ध्वनिः'

(क) हेमचंद्र (ख) क्षेमेन्द्र
(ग) विश्वनाथ (घ) आनंदवर्धन

4. निम्नलिखित काव्य-सूत्र / परिभाषा किस आचार्य की है? — 'वक्रोक्तिः काव्यजीवितम्'

(क) आनंदवर्धन (ख) राजशेखर
(ग) कुंतक (घ) अभिनवगुप्त

5. निम्नलिखित काव्य-सूत्र / परिभाषा किस आचार्य की है? — 'रीतिरात्मा काव्यस्य'

(क) महिमभट्ट (ख) वामन
(ग) विश्वनाथ (घ) क्षेमेन्द्र

6. निम्नलिखित काव्य-सूत्र / परिभाषा किस आचार्य की है? — 'तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृती पुनः क्वापि'

(क) मम्मट (ख) पंडितराज जगन्नाथ
(ग) धनंजय (घ) रुद्रट

7. निम्नलिखित काव्य-सूत्र / परिभाषा किस आचार्य की है? — 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्'

(क) भरतमुनि (ख) उद्भट
(ग) राजशेखर (घ) विश्वनाथ

8. निम्नलिखित काव्य-सूत्र / परिभाषा किस आचार्य की है? — 'रमणीयार्थप्रतिपादकः शब्दः काव्यम्'

(क) राजशेखर (ख) जयदेव
(ग) पंडितराज जगन्नाथ (घ) अभिनवगुप्त

9. निम्नलिखित काव्य-सूत्र / परिभाषा किस आचार्य की है? — 'अदोषौ सगुणौ सालंकारौ च शब्दार्थौ काव्यम्'

(क) भामह (ख) हेमचंद्र
(ग) क्षेमेन्द्र (घ) भरतमुनि

10. निम्नलिखित काव्य-सूत्र / परिभाषा किस आचार्य की है? — 'औचित्यं रससिद्धस्य स्थिरं काव्यस्य जीवितम्'

(क) क्षेमेन्द्र (ख) धनंजय
(ग) कुंतक (घ) राजशेखर

11. भामह की काव्य-परिभाषा 'शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्' में 'सहितौ' का आशय क्या है?

(क) केवल शब्द की प्रधानता
(ख) केवल अर्थ की प्रधानता
(ग) केवल अलंकार-युक्त होना
(घ) शब्द और अर्थ का सहभाव (दोनों का समान महत्त्व)

12. मम्मट की परिभाषा में काव्य के लिए 'अदोष' होना किस प्रकार की शर्त है?

(क) विधेयात्मक — काव्य में रस हो
(ख) अलंकार की अनिवार्यता
(ग) निषेधात्मक — काव्य दोष-रहित हो
(घ) छंद की अनिवार्यता

13. मम्मट की काव्य-परिभाषा में 'अनलंकृती पुनः क्वापि' का भाव क्या है?

(क) काव्य में अलंकार सदा अनिवार्य हैं
(ख) कहीं-कहीं अलंकार स्पष्ट न होने पर भी काव्य हो सकता है
(ग) अलंकार काव्य के लिए वर्जित हैं
(घ) गुण-रहित शब्दार्थ भी काव्य है

14. जयदेव (चंद्रालोक) ने मम्मट की किस मान्यता पर व्यंग्य करते हुए यह कहा कि "जो अलंकार-रहित शब्दार्थ को काव्य मानता है, वह अग्नि को उष्णता-रहित क्यों नहीं मानता?"

(क) काव्य में अलंकार की अनिवार्यता न मानना
(ख) काव्य में रस की प्रधानता
(ग) काव्य में दोष का अभाव
(घ) काव्य में गुण की अनिवार्यता

नमूना हिंदी साहित्य SAMPLE

29. काव्य-लक्षण के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

I. मम्मट ने काव्य को दोष-रहित, गुण-सहित शब्दार्थ कहा है।
II. जयदेव अलंकार-रहित काव्य को स्वीकार करते हैं।
III. विश्वनाथ ने रस को काव्य का मूल तत्त्व माना।
IV. कुंतक ने रीति को काव्य की आत्मा कहा।
(क) केवल I, III और IV
(ख) केवल I
(ग) केवल III
(घ) केवल I और III

30. निम्नलिखित कथनों को सत्य/असत्य में बाँटिए :

I. दंडी ने काव्य का शरीर इष्टार्थ से युक्त पदावली को कहा।
II. जगन्नाथ ने काव्य को 'वाक्यं रसात्मकम्' कहा।
III. हेमचंद्र की परिभाषा में अदोष, सगुण और सालंकार तीनों का उल्लेख है।
IV. भामह ने काव्य में शब्द और अर्थ दोनों की प्रधानता मानी।
(क) I सत्य, II असत्य, III सत्य, IV सत्य
(ख) I सत्य, II सत्य, III सत्य, IV सत्य
(ग) I असत्य, II असत्य, III सत्य, IV सत्य
(घ) I सत्य, II असत्य, III असत्य, IV सत्य

31. निम्नलिखित में से कितने जोड़े सही सुमेलित हैं? कितने सही हैं?

I. वामन – रीति काव्य की आत्मा
II. आनंदवर्धन – वक्रोक्ति काव्य का जीवित
III. क्षेमेन्द्र – औचित्य काव्य का जीवित
IV. कुंतक – ध्वनि काव्य की आत्मा
(क) केवल एक
(ख) केवल दो
(ग) केवल तीन
(घ) सभी चार

32. निम्नलिखित अभिकथन (A) तथा कारण (R) पर विचार कीजिए :

अभिकथन (A) : मम्मट की काव्य-परिभाषा में अलंकार को अनिवार्य नहीं माना गया है।
कारण (R) : मम्मट अलंकार को काव्य का अनित्य धर्म मानते हैं और कहीं-कहीं स्फुट अलंकार न होने पर भी काव्य स्वीकार करते हैं।
(क) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
(ख) A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है
(ग) A सही है, किंतु R गलत है
(घ) A गलत है, किंतु R सही है

33. निम्नलिखित अभिकथन (A) तथा कारण (R) पर विचार कीजिए :

अभिकथन (A) : विश्वनाथ ने मम्मट की 'तददोषौ...' परिभाषा को निर्दोष नहीं माना।
कारण (R) : विश्वनाथ के अनुसार उत्तम काव्य में भी थोड़ा-बहुत दोष मिलता है, फिर भी वह काव्य ही कहलाता है।
(क) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
(ख) A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है
(ग) A सही है, किंतु R गलत है
(घ) A गलत है, किंतु R सही है

ख. काव्य-हेतु (काव्य की उत्पत्ति के कारण)

34. मम्मट ने काव्य के हेतुओं के रूप में किन तीन का उल्लेख किया है?

(क) शक्ति, निपुणता और अभ्यास
(ख) प्रतिभा, व्युत्पत्ति और अभ्यास
(ग) प्रतिभा, श्रुत और अभ्यास
(घ) शक्ति, व्युत्पत्ति और प्रतिभा

35. मम्मट के अनुसार 'शक्ति' क्या है?

(क) शास्त्रों का ज्ञान
(ख) निरंतर अभ्यास
(ग) गुरु-उपदेश
(घ) कवित्व का बीजरूप संस्कार-विशेष

36. मम्मट ने 'निपुणता' किससे प्राप्त होना बताया है?

(क) केवल गुरु की कृपा से
(ख) केवल जन्म से
(ग) लोक, शास्त्र और काव्य के अवेक्षण (निरीक्षण) से
(घ) केवल देवी-वरदान से

37. मम्मट के अनुसार 'अभ्यास' किस प्रकार का होना चाहिए?

(क) बिना गुरु के स्वतंत्र
(ख) काव्य के ज्ञाताओं की शिक्षा के अनुसार
(ग) केवल राज्याश्रय में
(घ) केवल शास्त्र-पाठ से

38. मम्मट ने शक्ति, निपुणता और अभ्यास को काव्य का हेतु किस रूप में माना है?

(क) तीनों मिलकर (समुदित) एक हेतु
(ख) तीनों में से कोई एक
(ग) केवल शक्ति
(घ) केवल अभ्यास

नमूना हिंदी साहित्य SAMPLE

सेट–1 : उत्तर-सारणी

1 – ख	2 – क	3 – घ	4 – ग	5 – ख	6 – क	7 – घ	8 – ग	9 – ख	10 – क
11 – घ	12 – ग	13 – ख	14 – क	15 – घ	16 – ग	17 – ख	18 – क	19 – घ	20 – ग
21 – ख	22 – क	23 – घ	24 – ग	25 – ख	26 – क	27 – घ	28 – क	29 – घ	30 – क
31 – ख	32 – क	33 – क	34 – क	35 – घ	36 – ग	37 – ख	38 – क	39 – घ	40 – ग
41 – ख	42 – क	43 – घ	44 – ग	45 – ख	46 – क	47 – घ	48 – ग	49 – ख	50 – घ
51 – क	52 – ग	53 – ख	54 – क	55 – घ	56 – ग	57 – ख	58 – क	59 – घ	60 – ग
61 – ख	62 – क	63 – घ	64 – ग	65 – ख	66 – क	67 – ग	68 – ग	69 – क	70 – क
71 – घ	72 – ग	73 – ख	74 – क	75 – घ	76 – ग	77 – ख	78 – क	79 – घ	80 – ग
81 – ख	82 – क	83 – घ	84 – ग	85 – ख	86 – क	87 – घ	88 – ग	89 – ख	90 – क
91 – घ	92 – ग	93 – घ	94 – ख	95 – घ	96 – ग	97 – ख	98 – ख	99 – घ	100 – ख
101 – ग	102 – क	103 – ख							

उत्तरमाला एवं व्याख्या

क. काव्य-लक्षण (काव्य की परिभाषा)

1. (ख) भामह

भामह ने 'काव्यालंकार' में शब्द और अर्थ के सहभाव को काव्य कहा।

2. (क) दंडी

दंडी (काव्यादर्श) – इष्ट अर्थ से युक्त पदावली काव्य का शरीर है।

3. (घ) आनंदवर्धन

आनंदवर्धन (ध्वन्यालोक) – ध्वनि काव्य की आत्मा है।

4. (ग) कुंतक

कुंतक (वक्रोक्तिजीवितम्) – वक्रोक्ति काव्य का जीवित (प्राण) है।

5. (ख) वामन

वामन (काव्यालंकारसूत्र) – रीति काव्य की आत्मा है।

6. (क) मम्मट

मम्मट (काव्यप्रकाश) की प्रसिद्ध काव्य-परिभाषा।

7. (घ) विश्वनाथ

विश्वनाथ (साहित्यदर्पण) – रस से युक्त वाक्य ही काव्य है।

8. (ग) पंडितराज जगन्नाथ

जगन्नाथ (रसगंगाधर) – रमणीय अर्थ का प्रतिपादक शब्द काव्य है।

9. (ख) हेमचंद्र

हेमचंद्र (काव्यानुशासन) की काव्य-परिभाषा।

10. (क) क्षेमेन्द्र

क्षेमेन्द्र (औचित्यविचारचर्चा) – औचित्य काव्य का स्थिर जीवित है।

11. (घ) शब्द और अर्थ का सहभाव (दोनों का समान महत्त्व)

'सहित' = साथ-साथ; शब्द और अर्थ दोनों मिलकर काव्य हैं, एक अकेला नहीं।

12. (ग) निषेधात्मक – काव्य दोष-रहित हो

'तददोषौ' दोष के अभाव की निषेधात्मक शर्त है; इसी पर विश्वनाथ ने आपत्ति की।

13. (ख) कहीं-कहीं अलंकार स्पष्ट न होने पर भी काव्य हो सकता है

मम्मट के अनुसार अलंकार काव्य का अनिवार्य नहीं, अनित्य धर्म है।

14. (क) काव्य में अलंकार की अनिवार्यता न मानना

जयदेव अलंकार को काव्य का अनिवार्य धर्म मानते हैं – अग्नि की उष्णता की भाँति।

15. (घ) गुण रस के धर्म हैं, शब्दार्थ के नहीं; इसलिए 'सरसौ' कहना चाहिए था

विश्वनाथ – गुण रस के धर्म हैं; मम्मट स्वयं भी गुणों को रस का धर्म मानते हैं।

16. (ग) रस (अंगी) के

मम्मट – 'ये रसस्याङ्गिनो धर्माः शौर्यादय इवात्मनः'; गुण रस के धर्म हैं।

17. (ख) सौन्दर्य (अलंकार) के आधार पर

वामन 'सौन्दर्यमलंकारः' – सौन्दर्य को ही अलंकार मानते हैं; इसी से काव्य ग्राह्य है।

18. (क) विशिष्ट पद-रचना

वामन – 'विशिष्टा पदरचना रीतिः'; विशेष का अर्थ है गुणात्मा (गुण-युक्त)।

19. (घ) काव्य की शोभा बढ़ाने वाले धर्म

दंडी – 'काव्यशोभाकरान् धर्मानलंकारान् प्रचक्षते' (काव्यादर्श)।

20. (ग) लोकोत्तर आह्लाद उत्पन्न करने वाले ज्ञान का विषय होना

जगन्नाथ – 'रमणीयता च लोकोत्तराह्लादजनकज्ञानगोचरता'।

नमूना • SAMPLE

36. सुमेलित कीजिए — (ग्रंथ / रचयिता)

सूची-I	सूची-II
A. अलंकारसर्वस्व	1. रुय्यक
B. कुवलयानंद	2. अप्पय दीक्षित
C. चंद्रालोक	3. शोभाकर मित्र
D. अलंकाररत्नाकर	4. जयदेव

(क) A – 3, B – 2, C – 4, D – 1
(ख) A – 4, B – 2, C – 1, D – 3
(ग) A – 1, B – 3, C – 4, D – 2
(घ) A – 1, B – 2, C – 4, D – 3

37. सुमेलित कीजिए — (आचार्य / योगदान)

सूची-I	सूची-II
A. उद्भट	1. प्रबंधालंकार
B. रुद्रट	2. अलंकारों का सर्वप्रथम वर्गीकरण
C. रुय्यक	3. वास्तव, औपम्य, अतिशय, श्लेष वर्ग
D. भोज	4. सादृश्य, विरोध, शृंखला आदि वर्ग

(क) A – 2, B – 1, C – 4, D – 3
(ख) A – 2, B – 4, C – 3, D – 1
(ग) A – 2, B – 3, C – 4, D – 1
(घ) A – 4, B – 3, C – 2, D – 1

38. निम्नलिखित आचार्यों को कालक्रमानुसार (प्राचीन से परवर्ती) रखिए :

A. भोज
B. भामह
C. वामन
D. रुद्रट

(क) C → A → D → B (ख) A → C → B → D
(ग) B → C → D → A (घ) B → A → D → C

39. निम्नलिखित आचार्यों को कालक्रमानुसार (प्राचीन से परवर्ती) रखिए :

A. मम्मट
B. अप्पय दीक्षित
C. विश्वनाथ
D. जयदेव

(क) D → C → A → B (ख) A → D → C → B
(ग) C → D → A → B (घ) B → D → C → A

40. अलंकार संप्रदाय के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

I. भरत ने चार अलंकारों का उल्लेख किया।
II. दंडी ने 41 अलंकारों का वर्णन किया।
III. भामह ने अलंकार का मूल वक्रोक्ति को माना।
IV. भोज ने 72 अलंकारों का वर्णन किया।

(क) केवल I और IV (ख) I, II, III और IV
(ग) केवल I, III और IV (घ) केवल I और III

41. अलंकार-संबंधी निम्नलिखित जोड़ों में कितने सही हैं?

I. उद्भट — छह वर्गों में वर्गीकरण
II. रुय्यक — उपमा को अलंकारों का बीज
III. मम्मट — प्रबंधालंकार
IV. जयदेव — संक्षिप्त शैली

(क) केवल एक
(ख) केवल दो
(ग) केवल तीन
(घ) सभी चार

42. निम्नलिखित कथनों को सत्य/असत्य में बाँटिए :

I. वामन ने गुण को नित्य और अलंकार को अनित्य कहा।
II. भामह ने अलंकार का मूल उपमा को माना।
III. अप्पय दीक्षित ने चित्रमीमांसा लिखी।
IV. हेमचंद्र की स्वरचित टीका का नाम प्रदीप है।

(क) I सत्य, II सत्य, III सत्य, IV असत्य
(ख) I असत्य, II असत्य, III सत्य, IV असत्य
(ग) I सत्य, II असत्य, III सत्य, IV असत्य
(घ) I सत्य, II असत्य, III सत्य, IV सत्य

43. निम्नलिखित अभिकथन (A) तथा कारण (R) पर विचार कीजिए :

अभिकथन (A) : मम्मट ने अलंकार को काव्य का अनिवार्य धर्म नहीं माना।
कारण (R) : मम्मट की परिभाषा में 'अनलंकृती पुनः क्वापि' कहकर कहीं-कहीं अलंकार-रहित काव्य भी स्वीकार किया गया है।

(क) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
(ख) A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है
(ग) A सही है, किंतु R गलत है
(घ) A गलत है, किंतु R सही है

नमूना SAMPLE हिंदी साहित्य

सेट–13 : मॉक टेस्ट — 100 प्रश्न

📝 प्रश्न 100	⏱️ समय 75 मिनट	✔️ सही उत्तर +1	आपका स्कोर : ____ / 100

क. समग्र अभ्यास : सभी सेटों से चयनित

1. अविवक्षितवाच्य ध्वनि का दूसरा नाम क्या है?

(क) अभिधामूला ध्वनि (ख) संलक्ष्यक्रम
(ग) असंलक्ष्यक्रम (घ) लक्षणामूला ध्वनि

2. ध्वन्यालोक की कारिकाओं के रचयिता के विषय में प्रचलित नाम क्या है?

(क) वृत्तिकार (ख) ध्वनिकार
(ग) लोचनकार (घ) व्यंजनाकार

3. भरत के अनुसार अद्भुत रस की उत्पत्ति किससे होती है?

(क) श्रृंगार से (ख) रौद्र से
(ग) बीभत्स से (घ) वीर से

4. व्यंजना शक्ति वाले शब्द को क्या कहते हैं?

(क) वाचक (ख) लक्षक
(ग) बोधक (घ) व्यंजक

5. स्थायी भाव को उद्दीप्त (तीव्र) करने वाली परिस्थितियाँ क्या कहलाती हैं?

(क) आलंबन विभाव (ख) उद्दीपन विभाव
(ग) अनुभाव (घ) संचारी भाव

6. निम्नलिखित अभिकथन (A) तथा कारण (R) पर विचार कीजिए :

अभिकथन (A) : रुय्यक का अलंकार-वर्गीकरण वैज्ञानिक माना जाता है।
कारण (R) : उन्होंने अलंकारों को सादृश्य, विरोध, श्रृंखला, न्याय और गूढ़ार्थ-प्रतीति जैसे मूल-तत्वों के आधार पर बाँटा।

(क) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
(ख) A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है
(ग) A सही है, किंतु R गलत है
(घ) A गलत है, किंतु R सही है

7. भट्टलोल्लट के मत के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

I. उन्होंने रस की उत्पत्ति मानी।
II. उनके अनुसार रस मुख्यतः सामाजिक में होता है।
III. उनका मत नाट्यशास्त्र के सूत्र के सर्वाधिक निकट माना जाता है।
IV. उनका दार्शनिक आधार मीमांसा है।

(क) केवल I और III (ख) I, II, III और IV
(ग) केवल I और IV (घ) केवल I, III और IV

8. वामन के अनुसार पांचाली रीति में कौन-से गुण रहते हैं?

(क) ओज और कांति
(ख) सभी दस गुण
(ग) माधुर्य और सौकुमार्य
(घ) अर्थव्यक्ति और उदारता

9. अभिनवगुप्त किस दर्शन के प्रमुख आचार्य थे?

(क) शैवाद्वैत (प्रत्यभिज्ञा दर्शन)
(ख) सांख्य
(ग) मीमांसा
(घ) न्याय

10. डॉ. नगेन्द्र के साधारणीकरण-मत पर किस पाश्चात्य आलोचक के सिद्धांत का प्रभाव संभव माना गया है?

(क) आई.ए. रिचर्ड्स (संप्रेषण सिद्धांत)
(ख) टी.एस. इलियट
(ग) क्रोचे
(घ) अरस्तू

11. 'साहित्य का चरम मान रस ही है' — यह कथन किसका है?

(क) आचार्य शुक्ल (ख) नंददुलारे वाजपेयी
(ग) हजारीप्रसाद द्विवेदी (घ) डॉ. नगेन्द्र

12. विभाव के कितने भेद माने गए हैं?

(क) दो — आलंबन और उद्दीपन
(ख) तीन
(ग) चार
(घ) पाँच

13. ओज गुण किन रसों में अधिक होता है?

(क) श्रृंगार और करुण (ख) शांत और हास्य
(ग) वीर, वीभत्स और रौद्र (घ) अद्भुत और भयानक

14. जहाँ उपमेय और उपमान को क्रम से परस्पर उपमान-उपमेय बनाकर कहा जाए, वहाँ अलंकार होता है —

(क) उपमेयोपमा (ख) अनन्वय
(ग) प्रतीप (घ) रूपक

15. भरत ने रसों की परस्पर उत्पत्ति में हास्य किससे उत्पन्न बताया?

(क) रौद्र से (ख) श्रृंगार से
(ग) वीर से (घ) बीभत्स से

नमूना पृष्ठ • SAMPLE

सेट–13 : उत्तर-सारणी

1 – घ	2 – ख	3 – घ	4 – घ	5 – ख	6 – क	7 – घ	8 – ग	9 – क	10 – क
11 – घ	12 – क	13 – ग	14 – क	15 – ख	16 – ग	17 – ग	18 – ख	19 – घ	20 – ग
21 – घ	22 – क	23 – घ	24 – घ	25 – घ	26 – घ	27 – क	28 – ग	29 – क	30 – ख
31 – ख	32 – घ	33 – घ	34 – घ	35 – ख	36 – घ	37 – ख	38 – क	39 – घ	40 – ख
41 – घ	42 – ग	43 – ग	44 – ग	45 – ख	46 – क	47 – ख	48 – ग	49 – ग	50 – घ
51 – ख	52 – ग	53 – ख	54 – ग	55 – क	56 – ख	57 – ग	58 – घ	59 – घ	60 – ख
61 – घ	62 – ख	63 – ख	64 – घ	65 – घ	66 – क	67 – ग	68 – घ	69 – क	70 – ख
71 – ग	72 – ख	73 – क	74 – ख	75 – ग	76 – क	77 – क	78 – घ	79 – ग	80 – क
81 – ग	82 – क	83 – घ	84 – ग	85 – घ	86 – घ	87 – घ	88 – क	89 – ग	90 – घ
91 – ख	92 – क	93 – क	94 – घ	95 – क	96 – ग	97 – क	98 – क	99 – ख	100 – क

उत्तरमाला एवं व्याख्या

क. समग्र अभ्यास : सभी सेटों से चयनित

1. (घ) लक्षणामूला ध्वनि
जहाँ वाच्यार्थ विवक्षित नहीं होता, वह लक्षणामूला है।

2. (ख) ध्वनिकार
कारिकाओं को 'ध्वनिकार' और वृत्ति को 'वृत्तिकार' कहा जाता है।

3. (घ) वीर से
'वीराच्चैवाद्भुतोत्पत्तिः'।

4. (घ) व्यंजक
व्यंजक – व्यंजना।

5. (ख) उद्दीपन विभाव
चाँदनी, उपवन, ऋतु, चेष्टाएँ आदि उद्दीपन विभाव हैं।

6. (क) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
वर्गीकरण का आधार मूल-तत्त्व होने से ही वह वैज्ञानिक कहलाता है।

7. (घ) केवल I, III और IV
II गलत – लोल्लट के अनुसार रस मुख्यतः अनुकार्य (मूल पात्र) में होता है। सही कथन I, III और IV हैं।

8. (ग) माधुर्य और सौकुमार्य
पांचाली – माधुर्य-सौकुमार्य से युक्त।

9. (क) शैवाद्वैत (प्रत्यभिज्ञा दर्शन)
अभिनवगुप्त प्रत्यभिज्ञा-दर्शन (शैवाद्वैत) के प्रमुख आचार्य थे।

10. (क) आई.ए. रिचर्ड्स (संप्रेषण सिद्धांत)
प्रसंग में रिचर्ड्स के संप्रेषण-सिद्धांत से साम्य बताया गया है।

11. (घ) डॉ. नगेन्द्र
नगेन्द्र – रस ही साहित्य का चरम मान है।

12. (क) दो – आलंबन और उद्दीपन
विभाव – आलंबन तथा उद्दीपन।

13. (ग) वीर, वीभत्स और रौद्र
ओज – वीर, वीभत्स, रौद्र।

14. (क) उपमेयोपमा
उपमेयोपमा – दोनों परस्पर उपमान-उपमेय।

15. (ख) शृंगार से
'शृंगाराद्धि भवेद्धास्यो...' – हास्य शृंगार से।

16. (ग) भूषण
'शिवराजभूषण' – भूषण की रचना है।

17. (ग) लक्षणा (गंगा = गंगा-तट)
प्रवाह पर घोष (बस्ती) संभव नहीं, अतः तट का अर्थ।

18. (ख) केशवदास
'कविप्रिया' – केशवदास की रचना है।

19. (घ) आलंबन (विषय)
आलंबन = जिसके कारण भाव जगे; आश्रय = जिसके हृदय में भाव जगे।

20. (ग) अलंकारशेखर
केशवमिश्र – 'अलंकारशेखर'।

21. (घ) पाँच से दस
नाटक – न्यूनतम पाँच, अधिकतम दस अंक।

22. (क) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
दोनों सही और R, A की व्याख्या है।

23. (घ) शाब्दी और आर्थी
शब्दाश्रित और अर्थाश्रित।

24. (घ) ब्रह्मास्वाद-सहोदर
विश्वनाथ (साहित्यदर्पण) – रसास्वाद 'ब्रह्मास्वादसहोदर' है।

25. (घ) यमक
'कनक' दो बार आया – एक का अर्थ धतूरा, दूसरे का सोना; अतः यमक (बिहारी)।

यह केवल नमूना (Sample) है

पूरी PDF में आपको मिलेगा —

- 📚 **भारतीय काव्यशास्त्र** — **861 MCQ**, 13 प्रैक्टिस सेट (12 टॉपिक-वार + मॉक टेस्ट)
- 📝 काव्य-लक्षण, हेतु, प्रयोजन; रस-सिद्धांत (रस-सूत्र, साधारणीकरण, स्थायी भाव); अलंकार, रीति, गुण-दोष
- 💫 ध्वनि, वक्रोक्ति, औचित्य, शब्द-शक्ति, छंद व काव्य-रूप; ग्रंथ-लेखक और हिंदी रीति-आचार्य
- ⏱️ **मॉक टेस्ट** — 100 प्रश्न (सभी सेटों से चयनित)
- 🎯 कथन, सत्य/असत्य, अभिकथन-कारण, मिलान, कालक्रम — **UGC NET/JRF स्तर** के प्रश्न
- ✅ हर सेट के बाद **उत्तर-सारणी + उत्तरमाला-व्याख्या**
- ✍️ हर सेट के बाद अपने **नोट्स लिखने के पृष्ठ**
- 📄 कुल **131 पृष्ठ** • क्लिक करने योग्य विषय-सूची

केवल ₹99

🛒 पूरी PDF अभी ख़रीदें — store.hindisahity.com

📲 कोई प्रश्न? WhatsApp करें: 9680260474

UGC NET/JRF • SET • TGT • PGT • UPSC • RPSC — सभी हिंदी साहित्य परीक्षाओं के लिए उपयोगी